हिंदी विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय पहल कीः केदारनाथ सिंह

कोलकाता केंद्र में भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया गया हिंदी दिवस

वर्धा, 15 सितंबर। महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र ने हिंदी दिवस को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया। शुक्रवार की शाम कोलकाता केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हिंदी के विख्यात कवि केदारनाथ सिंह ने कहा कि देश में पहली बार यहां हिंदी दिवस को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया गया और इस इसके लिए सबसे उपयुक्त मंच महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ही है। इस राष्ट्रीय पहल की जितनी तारीफ की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जिस तरह डा. चंद्रा पांडेय ने काकबराक, डा. सत्यप्रकाश तिवारी ने नेपाली, डा. मुन्नी गुप्ता ने नगा, प्रो. साधना झा ने मैथिली, डा. श्रीनिवास यादव ने बांग्ला, प्रो. जेके भारती ने भोजपुरी और रावेल पुष्प ने पंजाबी कविताओं की आवृत्ति की, उससे भारतीय भाषाओं में बंधन की संभावना को बल मिलेगा।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

केदारनाथ सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर की भाषाओं की कविताएं सुनने के बाद उन्हें लग रहा है कि वहां साहित्य में एक नवजागरण आ रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भाषा प्रधान या गौण नहीं होती। भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रभाषा हैं। हिंदी राजभाषा है। हिंदी बहुत बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने के कारण राजभाषा बनी। सरकारी कामकाज की भाषा के रूप में राजभाषा विभागों के कामकाज का आज तक आकलन नहीं हुआ है। केदारनाथ सिंह ने कहा कि हमें देखना होगा कि हिंदी तमाशा की भाषा न बने, वह जीवंत भाषा के रूप में ही रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए बांग्ला के वरिष्ठ कवि -कथाकार नवारुण भट्टाचार्य ने कहा कि मातृभाषा के प्रति प्रेम एक मूल्य की तरह होना चाहिए। मातृभाषा से अनन्य प्रेम होने के कारण ही बंकिम से लेकर माइकल मधुसूदन दत्त अंग्रेजी में लिखना छोड़कर बांग्ला में लिखने लगे। नवारुण ने कहा-मैं खुद आजीवन बांग्ला में लिखते हुए ही मरना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में एक से बढ़कर एक लेखक हैं। हिंदी में ही प्रेमचंद से लेकर केदारनाथ सिंह जैसे भारतीय साहित्यकार नोबेल पुरस्कार के योग्य हैं। हिंदी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी तथा संवाद कार्यक्रम की शुरुआत सुशील कांति के हिंदी-बांग्ला गीतों की प्रस्तुति से हुई। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों ने हिंदी दिवस पर आयोजिक संगोष्ठी तथा संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। धन्यवाद ज्ञापन वि.वि. के कोलकाता केंद्र के प्रभारी डॉ. कृपाशंकर चौबे ने किया।

Caption

कार्यक्रम को संबोधित करते केदारनाथ सिंह

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com